हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

11 टोहाना रेलवे स्टेशन पर अम्ब-अन्दौरा मेमू ट्रेन का ठहराव शुरू

12 जिले के 2017 बैच के 550 से अधिक जेबीटी शिक्षकों को किया स्थाई

7064 किसानों ने 51872 एकड़ का ही पंजीकरण करवाया

धान की सीधी बिजाई में रुचि नहीं दिखाई किसानों ने समय पर प्रोत्साहन राशि न मिलने से हुआ मोहभंग

सीधी बिजाई से 20 से 25 फीसदी होती है पानी की बचत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

प्रदेश सरकार द्वारा धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को मिलने वाली अनुदान राशि देने में करीब एक साल तक देरी करने के चलते इस बार धान उत्पादक किसान धान की सीधी बिजाई डीएसआर के प्रति रूचि नहीं दिखा रहे। बीते वर्ष जहां धान की सीधी बिजाई के लिए 73 हजार एकड़ के लिए किसानों ने पंजीकरण करवाया था, इस बार 7064 किसानों 51872 एकड़ का ही पंजीकरण करवाया है। पोर्टल पर पंजीकरण करवाने की अंतिम तारीख 10 जुलाई थी। 10 जुलाई के बाद पोर्टल बंद कर दिया गया है। बता दें कि बीते वर्ष कृषि विभाग ने डीएसआर का 25 हजार एकड़ लक्ष्य रखा था जबकि इस बार यह लक्ष्य 75 हजार एकड़ था। यानि कि इस बार कृषि विभाग लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंचा। प्रदेश सरकार ने 2019 से धान की फसल में पानी की बचत के लिए मेरा पानी-मेरी विरासत योजना चला रखी है। धान की सीधी बिजाई यानि डीएसआर विधि से धान की बिजाई करने पर 20 से 25 फीसदी पानी की बचत होती है। इसके अलावा रोपाई के मुकाबले इस पर खर्च कम होता है। प्रति एकड़ किसान को 5 से 8 हजार रुपये की बचत होती है। डीएसआर की बिजाई 15 मई से 15 जून तक होती है। इस बार सरकार ने बीते वर्ष से सीधी बिजाई का लक्ष्य तीन गुणा तक बढ़ा दिया था। बीते वर्ष सीधी बिजाई का 25 हजार एकड़ का लक्ष्य था जो इस बार 75 हजार एकड़ कर दिया गया। अपने लक्ष्य पर पहुंचते न देख सरकार ने इसकी तारीख 15 जून से बढ़ाकर 10 जुलाई तक कर दी। यानि कि जो किसान 10 जुलाई तक पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाता है तो उसे सरकार 4500 रुपये प्रति एकड़ अनुदान राशि उसके खाते में जारी करती है। 10 जुलाई को पोर्टल बंद हुआ तो इसमें 7064 किसानों ने 51872 एकड़ का ही पंजीकरण करवाया।

फतेहाबाद। किसान द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई। *फोटो: हरिभूमि*

75 हजार एकड़ में सीधी बिजाई का रखा था लक्ष्य

इस बार अभी तक 51872 एकड़ में सीधी बिजाई का पंजीकरण हुआ है। इसका सत्यापन करवाया जा रहा है। इसके बाद सही आंकड़े प्राप्त हो जाएंगे। हालांकि सरकार ने धान की सीधी बिजाई का लक्ष्य 75 हजार एकड़ का रखा था।
-राजपाल, टीए कृषि विभाग फतेहाबाद

1 लाख 52 हजार में होती है धान की रोपाई

फतेहाबाद में कुल 2 लाख 52 हजार 362 एकड़ भूमि है। इनमें से 2 लाख 17 हजार 692 हैक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की फसल की काश्त की जाती है जिसमें 1 लाख 52 हजार 758 में धान की रोपाई होती है। 2019 में सरकार ने मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम लागू की थी। इस स्कीम में धान की जगह अन्य फसल बिजने पर 7 हजार रुपये व धान की रोपाई छोड़कर सीधी बिजाई करने पर 4500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाती है। सरकार का विजन यह था कि इससे पानी की बचत होगी।

धान की जगह दूसरी फसल दिखाकर ली प्रोत्साहन राशि

सरकार की योजना के बाद अनेक किसानों ने इसका नाजायज फायदा भी उठाया। उदाहरण के तौर पर एक किसान के पास 8 एकड़ भूमि है तो उसने 4 एकड़ में धान की जगह दूसरी फसल दिखा दी और उसकी प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर ली और अगले वर्ष दूसरे 4 एकड़ में धान की फसल लगाकर पहले वाली फसल में नरमा की फसल दिखाकर फिर प्रोत्साहन राशि ले ली। यानि कि किसान जमीन का खसरा, रकबा नंबर बदलकर प्रोत्साहन राशि लेते रहे। अब सरकार ने इस योजना में बदलाव किया है। अब नई पॉलिसी में यह साफ लिखा गया है कि एक ही एकड़ में लगातार पांच साल धान लगा हो और उसकी जगह कोई और फसल बिजी जाती है तो उसे ही फसल विविधिकरण माना जाएगा।

खबर संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

रतिया। शहर की अनाज मंडी के बैक साइड टेलीफोन एक्सचेंज के पास रविवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया। देर शाम तक मृतक युवक की पहचान नही हो पाई थी।

अवैध शराब के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। भुना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 बोतल अवैध देशी शराब बरामद की है। थाना भुना के प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं निगरानी ड्यूटी पर थी, इसी दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि अमरजीत उर्फ बच्ची पुत्र रघुवीर सिंह निवासी वार्ड नंबर 4, भुना अपने घर में अवैध रूप से देशी शराब बेचने का कार्य करता है और इस समय उसके पास भारी मात्रा में नाजायज शराब मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई की।

सुंदर नगर पार्क में लगाए गए विभिन्न तरह के पौधे

टोहाना। शहर के दमकोरा रोड स्थित सुंदर नगर में बने पार्क में रविवार को एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग के एसडीओ विजय शर्मा, सुमन शर्मा एवं पूर्व पार्षद देशराज बीका सहित वार्ड के अनेक लोग पहुंचे। पार्क में पीपल, जामुन, कचनार, रबर, फिकस सहित अनेक तरह के पौधे रोपित किए गए। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर प्रकृति के संतुलन में अपना योगदान देना चाहिए।

अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान ऐलनाबाद से एक युवक को 12 बोर का अवैध पिस्तौल व चार कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। ऐलनाबाद थाना प्रभारी प्रगट सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान वीर सिंह उर्फ निका के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान बिजली बोर्ड के निकट मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक आता दिखाई दिया ।पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली।

रमेश गोयल और प्रवीन बने ट्रिब्यूनल के सदस्य

टोहाना। उपमंडल स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में गठित ट्रिब्यूनल के लिए टोहाना के सामाजिक कार्यकर्ता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के संरक्षक एवं अग्रवाल सभा के पूर्व प्रधान रमेश गोयल, परवीन सुनेहा को गैर सरकारी सदस्य नियुक्त किया है। यह दोनों ट्रिब्यूनल लंबे समय से गठित नहीं किए थे। इससे माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं कल्याण से संबंधित मुकदमे लंबित चल रहे थे।

फतेहाबाद, टोहाना व रतिया में तहसीलदार के तीन पद खाली

तहसीलदारों की कमी के चलते लोगों को ई-दिशा में 6-6 घंटे करना पड़ रहा इंतजार

तहसीलदार के जिला प्रशासन व डीसी की मीटिंग के चलते दो बजे तक कार्यालय नहीं पहुंच पाते

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला में तहसीलदारों की कमी के चलते अपनी जमीन-प्लाट की रजिस्ट्री करवाने वाले लोगों को तहसील कार्यालयों में 6-6 घंटे का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से यहां के लोग सुबह 9 बजे तहसील कार्यालय पहुंच रहे हैं और शाम 5 बजे तक लंबा इंतजार करने के बाद बैरंग वापस लौट जाते हैं। दरअसल फतेहाबाद, टोहाना व रतिया में तहसीलदार के पद रिक्त है। यहां पर एक-एक नायब तहसीलदार ड्यूटी पर होता है। इसके अलावा तहसीलदार के जिला प्रशासन व डीसी की मीटिंग के चलते दो बजे तक तहसील कार्यालय-ई दिशा नहीं आ पाते। फतेहाबाद की ई-दिशा में सामान्य दिनों में प्रतिदिन 60 से 70 जमीन/प्लाटों की रजिस्ट्रियां होती रही है। अंतिम दो दिनों में रजिस्ट्रियां 5 से 7 हो रही हैं, जिससे जमीन मालिकों के अलावा प्रोप्र्टी डीलरों व वसीका नवीसों में भी रोष पाया जा रहा है। फतेहाबाद जिला में टोहाना, फतेहाबाद व रतिया सब डिवीजन है। यहां पर तहसीलदार व नायब तहसीलदार के पद हैं लेकिन तीनों जगह तहसीलदार के पद रिक्त पड़े हैं जबकि नायब तहसीलदार ही यहां काम चला रहे हैं।

फतेहाबाद। ई-दिशा में रजिस्ट्री करवाने के लिए लगी कतार। *फोटो: हरिभूमि*

फतेहाबाद। ई-दिशा में रजिस्ट्री करवाने के लिए इंतजार करते लोग।

भट्टू और भूना में एक ही तहसीलदार कर रहा काम

इसके अलावा जाखल, भट्टू व भूना में नायब तहसीलदार हैं। यहां भट्टू व भूना में एक ही तहसीलदार काम कर रहा है यानि ही यहां भी एक पद रिक्त है। पिछले काफी दिनों से फतेहाबाद की ई-दिशा में लोग सुबह रजिस्ट्री के लिए आते हैं लेकिन शाम तक निराश होकर वापस लौट जाते हैं। पहले यहां वेटिंग रूम में एसी लगे हुए थे। लोग आराम से घंटों बैठे रहते थे लेकिन पता नहीं किन्हीं कारणों से ई-दिशा में प्रशासन ने एसी भी हटवा दिए। अन्य क्लर्क हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं। वजह है तहसीलदार समय पर अपने कार्यालय में नहीं बैठते।

लोगों को खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा

दरअसल, सबसे पहले तहसीलदार रजिस्ट्री मार्क करते हैं, उसके बाद रजिस्ट्री पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होती है। हालांकि यहां टोकन प्रणाली हैं लेकिन रजिस्ट्री करवाने आए लोग टोकन लेकर ई-दिशा में घंटों बैठे रहते हैं। पता चलता है कि तहसीलदार डीसी की मीटिंग में हैं या किसी दौरे पर हैं। शुक्रवार को तो बात यूं हुई कि 50 के करीब लोग बैठे हुए थे। उन्हें बताया गया कि तहसीलदार आशीष 2 बजे रजिस्ट्री के लिए आएंगे और उसके बाद रजिस्ट्री होनी शुरू हो जाएगी लेकिन तहसीलदार साहब 5 बजे आए और 5 ही रजिस्ट्रियां हुई, बाकी 45 लोगों को निराश होकर बैरंग लौटना पड़ा। खरीददार व बेचदार को सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि रजिस्ट्री के ब्यनामा में तारीख अंकित होती है यानि की फलां डेट को रजिस्ट्री नहीं हुई तो बेचदार या खरीददार को दोगुना राशि लौटानी होगी। ऐसे में हर डीलर चाहता है कि तारीखबद्ध में ही रजिस्ट्री हो जाए। फतेहाबाद प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन के सदस्य सुरेन्द्र कुमार, नरेश कुमार, नीरज नागपाल आदि ने बताया कि यहां सब एक सैटिंग के तहत चल रहा है। कई लोगों की रजिस्ट्रियां कार्यालय समय के बाद भी हो जाती हैं। इस बार तहसीलदार आशीष से बात करनी चाही तो वह उपलब्ध नहीं हो सके।

सिरसा। शहर में कलश यात्रा व ध्वजारोहण यात्रा निकालते श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

श्री शिव महापुराण कथा को लेकर निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

- जय शिव शंकर, बम बम भोले के नारे लगाते व भजनों पर नाचते गाते दिखे भक्त

नंद बाबा गो सेवा संस्थान कालांवाली की ओर से बेसहारा गऊ हस्पताल में होने वाली सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा को लेकर शहर में कलश यात्रा व ध्वजारोहण यात्रा निकाली गई। कलश व ध्वजारोहण यात्रा शहर के श्री शिव बाड़ी मंदिर से शुरू होकर वाटर वर्क्स रोड, पुरानी सब्जी मंडी, खुह वाला बाजार, गली मंत्री वाली, आर्य समाज रोड होती हुई बेसहारा गऊ अस्पताल पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जय शिव शंकर, बम बम भोले के नारे लगाते व भजनों पर नाचते गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा से पूर्व श्री शिव बाड़ी मंदिर में पंडित अश्विनी शास्त्री व पुजारी दीपक शर्मा ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना की गई।

जिसमें बाबा देवादास मंडाले वाले, नगरपालिका प्रधान महेश झोरड़ ने विशेष तौर पर शिरकत की। जबकि यात्रा के दौरान समाजसेवी विनोद सेतिया, रमेश कुमार जैतो वाले अपने परिवार के साथ श्री शिव महापुराण को सिर पर रखकर सम्मानजनक तरीके से संस्थान में पहुंचे। संस्थान के सेवादारों ने बताया कि नंद बाबा गो सेवा संस्थान में 20 जुलाई से 27 जुलाई तक श्री शिव महापुराण कथा होगी। श्री शिव महापुराण कथा में अश्विनी कुमार शास्त्री कथावाचक होंगे। कथा का समय रोजाना दोपहर साढ़े 3 बजे से लेकर साढ़े 6 बजे तक रहेगा।

27 जुलाई को सुबह साढ़े 8 बजे हवन यज्ञ होगा और सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक कथा होगी। यात्रा के दौरान श्री शिव बाड़ी मंदिर कमेटी व महिला मंडल, श्री दुर्गा मंदिर कमेटी व महिला मंडल, श्री गीता भवन मंदिर कमेटी व महिला मंडल सहित सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

फतेहाबाद। पौधारोपण करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

ट्रांसफार्मर का तेल चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत ट्रांसफार्मर से तेल चोरी के एक मामले में पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर बिजली विभाग को हुए 89,850 के नुकसान की भरपाई की दिशा में अहम कदम उठाया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि बिजली विभाग की ओर से थाना भट्टू कलां में दी गई शिकायत में बताया गया कि गांव पिली मंडोरी में उपभोक्ता प्रहलाद पुत्र जगमाल के ट्यूबवेल कनेक्शन पर लगे 25 केवीए के ट्रांसफार्मर से 23 जून की रात को ट्रांसफार्मर ऑयल और अन्य पाट्र्स चोरी कर लिए गए थे। घटना की सूचना उपभोक्ता द्वारा तुरंत विद्युत निगम को दी गई, जिसके आधार पर विभाग ने दिनांक 24 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस जांच के दौरान आरोपी की पहचान काला उर्फ मातु पुत्र रामस्वरूप, निवासी वार्ड नं. 5, पुरानी सब्जी मंडी, नारनौंद, जिला हिसार, हाल निवासी भट्टूकलां के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात को स्वीकार किया। आरोपी के खिलाफ प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की गहन जांच जारी है, और पुलिस अन्य संभावित आरोपियों व चोरी के नेटवर्क का भी पता लगाने में जुटी हुई है।

साइबर फ्रॉड मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

- बैंक खाते से निकाले थे करीब एक लाख रुपये

पुलिस ने साइबर फ्रॉड मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिरसा साइबर थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजय व अमित कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मनप्रीत सिंह निवासी पनिहारी की शिकायत में पुलिस ने साइबर ठगी का मामला दर्ज किया था। मनप्रीत सिंह ने बताया कि अज्ञात लोगों ने उसके बैंक खाते से एक लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि रुपये लेखराज यादव के खाते में ट्रांसफर हुए हैं जिस पर पुलिस ने उससे पूछताछ की। लेखराज ने खुलासा किया कि उसने यह बैंक खाता और एटीएम अमित कुमार को बेचा था। अमित ने भी यह बैंक खाता और एटीएम लालच में अजय कुमार को 20 हजार रुपये में बेच दिया। जिस पर पुलिस ने अमित को भी काबू कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और ठगी के अन्य मामलों में भी पूछताछ की जाएगी। एक अन्य घटना में पुलिस ने महिला के पर्स से 50 हजार रुपये चोरी करने के मामले में तीन आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि सुरजीत कौर निवासी सिरसा की शिकायत में पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया था। शिकायत में सुरजीत कौर ने बताया कि वह बाजार में खरीददारी के लिए जा रही।

थाने-चौकियां हो रही हैं चकाचक, लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- दो घंटे का सामूहिक श्रमदान अभियान चलाया

एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों के आवासीय परिसरों से लेकर कार्यस्थलों तक सभी स्थानों पर उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिससे वे तनावमुक्त होकर पूरी निष्ठा एवं दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें, और आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान कर सकें। इसी क्रम में प्रत्येक रविवार को प्रातः दो घंटे का सामूहिक श्रमदान अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पुलिसकर्मी अपने-अपने परिसरों की सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण में भाग ले रहे हैं। इस पहल के परिणामस्वरूप अब जिले के सभी थाने-चौकियां अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित और अनुशासित नजर आने लगी हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी जिला पुलिस द्वारा सराहनीय पहल की है। प्रत्येक थाना एवं चौकी परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी स्वयं पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल कर रहे हैं। इससे न केवल परिसर हराभरा हो रहा है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत हो रही है।

विशेष यातायात रूट प्लान किया तैयार

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस मुस्तैद

- विभिन्न स्थानों पर पुलिस सहायता केंद्र, गश्ती टीमें, नाकाबंदी, तथा स्वास्थ्य सहायता टीमें तैनात की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सावन माह के पावन अवसर पर हरिद्वार से गंगाजल लाकर विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक हेतु निकले कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सेवा को लेकर फतेहाबाद पुलिस पूर्ण रूप से सतर्क एवं मुस्तैद है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में जिलेभर में कांवड़ यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने हेतु व्यापक स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर पुलिस सहायता केंद्र, गश्ती टीमें, नाकाबंदी, तथा स्वास्थ्य सहायता टीमें तैनात की गई हैं। हर ड्यूटी प्वाइंट पर नियुक्त पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं से संवाद कर रहे हैं तथा जरूरत पडऩे पर प्राथमिक चिकित्सा एवं एंबुलेंस सुविधा भी तुरंत उपलब्ध करवा रहे हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा विशेष यातायात रूट प्लान तैयार किया।

फतेहाबाद। कावडियों से बातचीत करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

ध्वनि प्रदूषण और नियमों की सख्त पालना

श्रद्धालुओं को लाउडस्पीकर, डीजे आदि को अधिक ध्वनि में बजाने से स्पष्ट रूप से मना किया गया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति ध्वनि नियंत्रण संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 172(2) के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी कांवड़ यात्रियों से अनुशासन, संयम एवं शालीनता बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से कांवड़ यात्रियों हेतु जलपान केंद्र, विश्राम स्थल, छायादार टेंट, ठंडे पेयजल की टंकियाँ, तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सभी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, वाहन नियंत्रित गति से चलाएं, तेज आवाज में संगीत या ध्वनि यंत्रों का प्रयोग न करें।

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

> *मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..*

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रेक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता | पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नजरों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे जाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे | नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं जिन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

ख़ुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

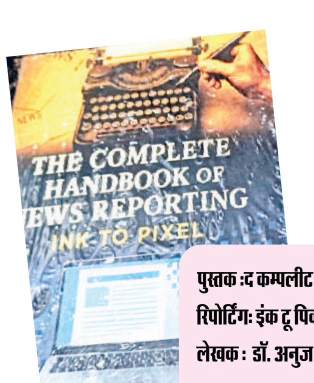

पुस्तक : द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंगः इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्त्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्त्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

डोडापोस्त तस्करी के मुख्य आरोपी का भाई काबू

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने 22.45 क्विंटल डोडापोस्त तस्करी मामले में मुख्य आरोपी रामचंद्र उर्फ रामू बावरी के भाई सतपाल पुत्र श्योनारायण निवासी हरिपुरा जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी एसआई प्रेम कुमार ने बताया जांच में सामने आया कि आरोपी सतपाल व उसका भाई रामचंद्र उर्फ रामू बावरी ट्रक के माध्यम से झारखंड व राजस्थान से भारी मात्रा में डोडापोस्त की तस्करी करते थे। आरोपी विकास कुमार को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया था, जिसने पूछताछ में अपने साथियों के नाम उजागर किए थे।

भाजपा महिला नेत्री के पति का निधन

टोहाना। जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी टोहाना की महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी मेहता के पति विपिन मेहता का बीमारी के चलते निधन हो गया है। वे पिछले लंबे समय से बीमार चल रहे थे। शहर के नहर किनारे स्थित स्वर्ग आश्रम में सायं 5 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें क्षेत्र राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर शोक व्यक्त किया।

हेरोइन सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत एएनसी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस टीम ने रताखेड़ा क्षेत्र से 6.20 ग्राम हेरोइन बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एएनसी स्टाफ फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि एएसआई मेजर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

भाखड़ा विस्थापित परिवारों को समर्पित की गई ट्रेन सेवा : बराला

टोहाना रेलवे स्टेशन पर शुरू हुआ अम्ब-अन्दौरा मेमू ट्रेन का ठहराव

- सांसद सुभाष बराला ने दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को एक ऐतिहासिक क्षण सामने आया जब रायपुर हरियाणा से वाया टोहाना, नरवाना, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला होते हुए चंडीगढ़ जाने वाली अम्ब-अन्दौरा मेमू ट्रेन (64563 और 64564) का ठहराव शुरू हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना स्टेशन पर दैनिक रेल यात्री संघ द्वारा आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह की मौजूदगी में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

टोहाना। रेलवे स्टेशन से अम्ब-अन्दौरा मेमू ट्रेन को रवाना करते सांसद सुभाष बराला।

सांसद बराला ने इस अवसर को टोहाना क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया और कहा कि यह ठहराव न केवल स्थानीय लोगों को राहत देगा, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगा। सांसद ने कहा कि टोहाना से चंडीगढ़ की दिशा में बढ़ते रेल नेटवर्क के इस विस्तार से छात्र, कर्मचारी, व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे न केवल आवागमन की सुविधा बढ़ेगी बल्कि स्थानीय आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। इस मौके पर सांसद ने इस ट्रेन को भाखड़ा विस्थापित परिवारों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके बलिदान और योगदान की वजह से आज टोहाना और इसके आसपास के क्षेत्र में सिंचाई की समुचित सुविधा उपलब्ध है। सांसद ने भावुक होते हुए कहा कि वर्षों पहले भाखड़ा परियोजना के लिए अपने घर छोड़ने वाले परिवारों ने इस क्षेत्र के लिए जो त्याग किया, उसे भुलाया नहीं जा सकता। यह ट्रेन उनके सम्मान और टोहाना क्षेत्र की तरक्की की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार 'संकल्प से सिद्धि' के मार्ग पर चल रही है और वह हर वायदे को निभा रही है।

सांसद बराला ने कहा कि यह ठहराव टोहाना क्षेत्र के लिए केवल एक ट्रेनों की सुविधा नहीं बल्कि विकास की नई पटरी पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन को शुरू करवाने की मांग उन्होंने ही संसद में उठाई थी और इसे लेकर सरकार के साथ निरंतर बातचीत की। ट्रेन शुरू होने के बाद टोहाना में इसका ठहराव नहीं हुआ तो टोहाना क्षेत्र के लोगों की मांग पर इस ट्रेन का ठहराव टोहाना में सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे न केवल टोहाना बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी सीधा लाभ मिलेगा, और चंडीगढ़ तक की यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सुलभ हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि टोहाना और जाखल क्षेत्र में रेलवे को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रेल ओवरब्रिज, अंडरपास, नई ट्रेनों के ठहराव, स्टेशन सुविधाओं में सुधार जैसे कई कार्य केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय के सहयोग से पूरे किए जा रहे है। सांसद ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में क्षेत्र को और बेहतर रेल सुविधाएं दी जाएंगी।

सांसद बराला ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का उद्देश्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि वायदों को धरातल पर उतारना है। सांसद सुभाष बराला ने इस ट्रेन के ठहराव को स्वीकृति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित रेल मंत्रालय के सभी अधिकारियों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रेलवे के एडीएमआर दीपेंद्र कुमार, रमन मडिय़ा, वेद जांगड़ा, रेल यात्री संघ के अध्यक्ष राजेश नागपाल, डॉ. शिव सचदेवा, नरेंद्र गर्ग, जिले सिंह बराला, रविंद्र मेहता, लक्ष्मण बंसल, विकास सेठी एल, नवीन कुमार, विष्णु गोयल, प्रवीण गोयल, राजकुमार भाटिया सहित शहर के पार्षद और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

टोहाना रेलवे स्टेशन पर नई ट्रेनों का ठहराव महत्वपूर्ण उपलब्धियां : सैलजा

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि टोहाना क्षेत्र की जनता की रेल संबंधी मांगे उनके द्वारा संसद और मंत्रालयों के समक्ष रखी गई उसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं। हाल ही में दो अहम घोषणाएं की गई है जिसमें ट्रेन संख्या 64563/64564 रायपुर हरियाणा-अम्ब अन्दौरा का टोहाना रेलवे स्टेशन पर ठहराव स्वीकृत किया गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा सूचित किया गया है कि 19 जुलाई से उक्त ट्रेन का ठहराव टोहाना स्टेशन पर स्वीकृत कर दिया गया है। यह ठहराव टोहाना सहित आसपास के यात्रियों की सुविधा के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

सिरसा। मेले में पशु लेकर पहुंचे पशुपालक। फोटो : हरिभूमि

गांव झोरड़रोही में पशु मेले का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला के गाव झोरड़रोही में रविवार को पहले पशु मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ संत बाबा सुदामा नंद शास्त्री व बीडीपीओ अमन मित्तल ने किया।

गांव झोरड़ रोही पशु मेले को लेकर लोगों में भी काफी उत्साह पाया गया। प्रत्येक रविवार को लगने वाले सिरसा जिला भर में इस पशु मेला देखने के लिए आसपास गांवों से लोगों का तांता लगा रहा। मेले में गाय बेचने के अलावा अधिकतर भैंसे बेचने के लिए लोग आए।

मेले में पशुओं के लिए पानी, हरा चारा आदि की व्यवस्था की गई। बीडीपीओ अमन मित्तल ने बताया कि मेले में पशु बेचने और खरीदने वाले व्यापारी आदि के लिए हर संभव सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पशुओं के लिए छाया की व्यवस्था की गई। मेले में ग्राम पंचायत की ओर से करीब साढ़े 12 एकड़ की व्यवस्था की गई है। जिसमें से करीब पांच एकड़ में तारबंदी कर पशु मेले का आयोजन किया गया। आज पहला दिन है अगले रविवार को इससे बढक़र व्यवस्था की जाएगी। पशु खरीदने बेचने वालों के धन दौलत की सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा आसपास गांवों में से राजकीय पशु चिकित्सालय में से पशु चिकित्सकों की भी डयूटी लगाई जाएगी ताकि आयोजन शिविर में पशुओं के लिए निशुल्क हर प्रकार की दवाई निशुल्क वितरित करने की व्यवस्था रहेगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि भगवंत सिंह, ब्लाक समिति चैयरमेन प्रतिनिधि गुरमेल सिंह, वाइस चेयरमैन अंग्रेज सिंह, कर्म सिंह ब्लॉक समिति सदस्य, नछत्तर सिंह पूर्व सरपंच, बाबा बिचित्र सिंह, नछत्तर सिंह मराड़, बीकेई नत्था सिंह प्रधान, दर्शन सिंह, गुरलाभ सिंह, सरपंच लखविंदर सिंह झिड़ी, गुरविंदर सिंह पूर्व चैयरमेन, मनजीत डुडी सरपंच भादड़ा, सरपंच बलवीर सिंह पक्का शहीदां, उपाध्यक्ष सरपंच एसोसिएशन, कुरंगावाली से सरपंच प्रतिनिधि गंडा सिंह आदि सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कांवड़ियों की सेवा के लिए लगाया शिविर

भूना। श्री सालासर बालाजी सेवा मंडल ट्रस्ट और ग्रामवासियों के सहयोग से बस स्टैंड मंदिर चौपटा ढाणी गोपाल परिसर में कावड़ियों के लिए शिविर लगाया गया है। यह शिविर 17 से 23 जुलाई शिवरात्रि तक चलेगा। शिविर में भोलों की सेवा के लिए भंडारे का आयोजन किया गया है। इसमें चाय, ठंडा पानी, मिठाई, बूंदी, जलेबी, रोटी आदि का प्रसाद दिया जा रहा है। शिविर में सेवा के लिए कमेटी प्रधान सुरेश कसवा, फौजी जगदीश चंद्र, नंबरदार सुरेंद्र खिचड़, विजय सेठ, सुरत, बलवान फौजी गोदारा, रामकुमार गोदारा, सुभाष गोदारा, मेंबर जयवीर कसवा, कृष्ण फौजी, ऋषिपाल शर्मा, डॉ. सुरेश गोदारा, सुल्तान सिंह लांबा, पवन लांबा, संदीप फगेडिया, कोषाध्यक्ष संदीप गोदारा, हरदीप गोदारा, हवा सिंह सिहाग, रिसाल सिंह जांगड़ा, सुरेंद्र सोनी, रामप्रसाद फौजी, मनोज गोदारा, शेर सिंह खिचड़, राजीव जाखड़, नरेश बुरडक़, प्रदीप फगेडिया, सुनील गोदारा, कृष्ण फौजी, राजेश फौजी, भूप सिंह, बलराम, जयवीर नाई, मनदीप फगेडिया, पवन सोनी, रत्न सिंह गोदारा, दिनेश ढाका, संजय खिचड़ सहित कई शिव भक्त सेवा में जुटे हैं। ग्रामवासियों के सहयोग के लिए प्रधान सुरेश फौजी, जगदीश नंबरदार और सुरेंद्र खिचड़ ने सभी को बधाई दी।

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ के उपलक्ष्य में निकाली प्रभात फेरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा अनाजमंडी सिरसा में आगामी 5 से 11 सितंबर तक श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की जाएगी जिसमें साध्वी कालिंदी भारती प्रवचन देंगी। इसी के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न मंदिरों से संध्या फेरियों का आयोजन शुरू किया गया है। पहली संध्या फेरी रविवार को अग्रसेन कॉलोनी के श्री हनुमान मंदिर से निकाली गई, जिसमें श्री हनुमान मंदिर के प्रधान कुलदीप मित्तल और दिव्या ज्योति जाग्रति संस्थान से स्वामी प्रेम प्रकाशानंद द्वारा पूजन किया गया और नारियल फोडक़र इसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्थान की साध्वी प्रचारक बहनों और प्रभु भक्तों द्वारा भगवान श्री कृष्ण के भजनों का गायन किया गया। भजनों की ताल पर भक्त खूब झूमे और जयकारे लगाए। इस अवसर पर मंदिर प्रधान कुलदीप मित्तल, गोपाल गोयल, अजय डिंगवाला, राजेश दुआ, अजय गर्ग मौजूद रहे।

शिविर में 21 युवाओं ने किया रक्तदान

रानियां। गांव फिरोजाबाद में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन में किया गया। शिविर का शुभारंभ सरपंच प्रतिनिधि तरसेम सरारी द्वारा किया गया। शिविर में वर्धमान चेरिटेबल ट्रस्ट सिरसा की टीम रक्त संग्रहण करने पहुंची। इस दौरान 21 युवाओं ने रक्तदान किया। युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंकुश तलवाड़ ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है और शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। सरंपच प्रतिनिधि ने रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान से केवल रक्तदाता को फायदा नहीं होता बल्कि जरुरतमंद को नए जीवन मिलता है। इसलिए सभी युवाओं को रक्तदान करने में आगे आना चाहिए। इस मौके पर फिरोजाबाद के सरपंच प्रतिनिधि तरसेम सरारी, अबुतगढ़ के सरपंच प्रतिनिधि सुनील कुमार, अरूण कंबोज, वर्धमान चेरिटेबल ट्रस्ट सिरसा की टीम व गांव के युवा और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी आनन्द सरोवर ने लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- पेड़ पौधों की संख्या में हो रही गिरावट के कारण जनजीवन हा रहा प्रभावित : शान्ति स्वरुप

हिसार रोड पर स्थित ब्रह्मकुमारी आनन्द सरोवर द्वारा रविवार को मुख्य सडक़ पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नगरपरिषद सिरसा के चेयरमैन वीर शान्ति स्वरुप ने बतौर मुख्यातिथि पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पौधारोपण मानवता के हित में बहुत सराहनीय प्रयास है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आजकल पर्यावरण में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है जिससे आम जनजीवन बहुत प्रभावित हो रहा है।

इसका मुख्य कारण धरती पर पेड़ पौधों की संख्या में हो रही गिरावट है। इसलिए मानवता की रक्षा के लिए संस्था द्वारा जो भी प्रयास किए जा रहे हैं वो अति सराहनीय हैं। वहीं आनंद सरोवर सर्कल की निदेशक राजयोगिनी बिंदु ने भी पौधारोपण करते हुए कहा कि पौधे को लगाकर उसकी उचित पालना करना हम सबका मुख्य कर्तव्य है क्योंकि प्रकृति मां हमें सब कुछ निस्वार्थ भाव से देती है। इसलिए हम भी इस मां की सेवा के रिटर्न में पेड़ लगाने की मुहिम का हिस्सा अवश्य बनें। बी.के रामनिवास ने कहा कि आज पर्यावरण में तेजी से हो रहा बदलाव बहुत बड़े संकट का रूप लेता जा रहा है जिसके लिए वैज्ञानिक भी कई प्रकार की चेतावनी दे रहे हैं। समय के ऐसे दौर में पौधारोपण बहुत पुण्य का कार्य है जिसमें हर मनुष्य मात्र को शामिल होना ही चाहिए। उन्होंने संस्था द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया। इस मौके बंसीलाल, डॉ. वाईके चौधरी, साधुराम बांसल, अमिलाल, मुरलीधर गर्ग, पूर्व पार्षद मीनू, गुरकीरत सिंह, अमित सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

मुल्तान सभा की बैठक संपन्न, चरणदास मेहता संरक्षक बने

- मीटिंग में सभा को मजबूत करने के लिए विचार विमर्श किया

सिरसा। श्री मुल्तान सभा कमेटी की मीटिंग रविवार को सिरसा क्लब में सभा के संरक्षक ओमप्रकाश मेहता की अध्यक्षता में की गई जिसमें सभा को मजबूत करने के लिए विचार विमर्श किया गया। महत्वपूर्ण विमर्श के दौरान ही ओमप्रकाश मेहता ने चरणदास मेहता को सभा का संरक्षक बनाने का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी ने सहमति जताते हुए चरणदास मेहता को सभी ने बधाई दी। सभा के दोनों संरक्षकों व अन्य पदाधिकारियों तथा सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी सभा की मजबूती के लिए कार्य किया जाएगा।

बैठक में ओमप्रकाश मेहता, चरणदास मेहता, ज्ञानचंद मेहता, धर्मपाल मेहता, विजय चौधरी, देवेंद्र चौधरी, राजेश मेहता, राधेश्याम, कृष्ण मेहता, भीष्म मेहता, चंद्रशेखर मेहता व अशोक टूटेजा आदि मौजूद थे।

कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने किए पुख्ता बंदोस्तः एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- पुलिस अधीक्षक ने प्रभारियों को दिए आवश्यक निर्देश
- करीब 500 जवान सुरक्षा व्यवस्था को संभालेंगे
- मुख्य मार्गों पर राइडर्स व पीसीआर गश्त पर रहेगी

पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ यात्रा को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने थाना प्रभारियों को आदेश दिए कि अपने एरिया से कांवड़ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं का पूरा ब्यौरा रखें। एरिया में गश्त बढ़ाएं ताकि कांवड़ श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई बाधा न आए। यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि चौकों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर तैनात पुलिस कर्मी सजगता से अपना कर्तव्य निर्वहन करें ताकि किसी भी स्थिति में जाम लगने से बचा जा सके। कांवड़ियों के लिए लगने वाले शिविरों को उचित स्थान पर लगवाए। शिविरों के पास वाहनों की पार्किंग व्यवस्था का ध्यान रखें ताकि यातायात बाधित न हो। कांवड़ियों की आड़ में शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखें ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि करीब 500 जवान सुरक्षा व्यवस्था को संभालेंगे। मुख्य मार्गों पर नाके लगाए जाएंगे और राइडर्स व पीसीआर गश्त पर रहेंगी। पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि कांवड़ लाने व हरिद्वार जाने वाले सभी श्रद्धालु अपना रजिस्ट्रेशन अपने संबंधित थाना में अवश्य करवाकर जाएं और अपनी आईडी साथ लेकर जाएं, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वह कोई भी आपत्तिजनक वस्तु जैसे क्रिकेट बैट, हाकी स्टीक, डंडा लाठी, गैस सिलेंडर या अन्य किसी प्रकार का हथियार व नशीला पदार्थ साथ लेकर व नशे का सेवन करके ना जाए।

बैटरियां चुराने के मामले में पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

रतिया। अपराध-मुक्त अभियान के तहत एवीटी व सीआईए स्टाफ रतिया ने बैटरी चोरी के एक मामले में दो आरोपियों को काबू कर उनके कब्जे से चोरीशुदा दो बैटरियां बरामद की हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान करण उर्फ जसकरण पुत्र मुकेश कुमार और कृष्ण उर्फ सनी पुत्र कर्मपाल, दोनों निवासी बाल्मीकि मोहल्ला, रतिया के रूप में हुई है। एवीटी व सीआईए स्टाफ रतिया के प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि बलराज सिंह और नैब सिंह नामक व्यक्तियों ने थाना शहर रतिया में बैटरी चोरी की शिकायतें दर्ज करवाई थी। शिकायतों के अनुसार 6 जुलाई की शाम को उन्होंने अपनी-अपनी वर्कशॉप दशमेश मोटर और हिंद मोटर को ताला लगाकर बंद किया था। अगले दिन दोपहर जब वे मौके पर पहुंचे, तो पाया कि वर्कशॉप में खड़ी गाड़ियों की बैटरियां और एक पानी की मोटर चोरी हो चुकी थी।

कांग्रेस में ही सभी वर्गों के हित सुरक्षितः कृष्णा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- कृष्णा फौगाटमहावीर कॉलोनी में सभा को किया संबोधित

कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि पूरे देश में केवल कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसमें सभी वर्गों के हित सुरक्षित हैं। खासकर महिलाओं के विकास से संबंधित योजनाओं को अमलीजामा पहनाकर उनका संवद्र्धन करने की कांग्रेस नीति के कारण ही आज महिला देश के नवनिर्माण में अपनी सहभागिता कर रही हैं। कृष्णा फौगाट महावीर कॉलोनी में सभा को संबोधित कर रही थी। महिला सृजन अभियान के तहत आयोजित इस बैठक में कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि भाजपा के दस वर्षों से अधिक केंद्रीय व प्रादेशिक शासन के दौरान जिस प्रकार महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीडऩ व यौन शोषण के मामलों में जिस प्रकार ग्राफ बढ़ा है, उससे देश प्रदेश की मातृशक्ति भय के साए तले जीने को विवश हैं। उन्होंने सभी उपस्थित महिलाओं से आह्वान किया कि वे कांग्रेस से जुडक़र इस क्रूरता के खिलाफ निर्भिकता से अपनी आवाज बुलंद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सही मायनों में विकास की पक्षधर है। उन्होंने सभी उपस्थित महिलाओं से कांग्रेस से जुड़ने का आह्वान किया जिस पर सभी महिलाओं ने सहमति व्यक्त की।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ अंगूरी देवी वर्मा, मीना कुमारी, सीता देवी, दुर्गा देवी, कौशल्या देवी सहित अनेक महिलाएं मौजूद थी। अंत में सभी ने कार्यक्रम आयोजक सुमित्रा देवी का आभार व्यक्त किया।

नवपदोन्नत 40 प्रधानाचार्यों के लिए डाइट फतेहाबाद में प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नवपदोन्नत 40 प्रधानाचार्यों के लिए डाइट फतेहाबाद में आयोजित 12 दिवसीय के प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं डाइट प्राचार्य संगीता बिश्नोई ने भाग लिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और उन्हें विद्यालय संचालन में नियमबद्धता व नेतृत्व के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। डाइट के उपप्राचार्य शेर सिंह ने सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षण विंग प्रभारी राकेश कुमार ने ट्रेनिंग की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा प्रतिभागियों के सहयोग के लिए धन्यवाद किया। प्रशिक्षण में विद्यालय नेतृत्व, किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य, यूडाईस और स्वॉट विश्लेषण, हरियाणा सिविल सेवा नियम, समावेशी शिक्षा, एआई, कार्य-जीवन संतुलन व योग, एसएमसी, पॉक्सो, आपदा प्रबंधन तथा टीडीएस नियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा संचालित इन

फतेहाबाद। नवपदोन्नत प्रधानाचार्यों को सम्मानित करते जिला शिक्षा अधिकारी।

सत्रों से प्रतिभागियों को व्यवहारिक और प्रशासनिक ज्ञान प्राप्त हुआ। फीडबैक सत्र में सभी प्रधानाचार्यों ने प्रशिक्षण की प्रशंसा करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायक व ज्ञानवर्धक बताया। प्रधानाचार्यों ने इस प्रशिक्षण में सिखी गई सभी बातों को अपने जीवन व स्कूल में लागू करने का आश्वासन दिया। डीईओ संगीता बिश्नोई ने सभी प्रधानाचार्यों को इसे विद्यालय प्रशासन में गुणात्मक सुधार की दिशा में एक मजबूत कदम माना और भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षणों की अपेक्षा जताई। प्रशिक्षक प्रशिक्षण विंग के आशीष कुमार व महेंद्र कुमार ने सभी का धन्यवाद किया।

बैठक कल्याण बोर्ड से रजिस्टर्ड मजदूरों के लाभ रोकने के निर्णय का विरोध करेगा श्रमिक संघ

भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की बजाय मजदूरों के हक छीन रही है प्रदेश सरकार : विक्रम सिंह

- भवन निर्माण श्रमिक संघ हिसार मंडल सम्बंधित एटक की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

भवन निर्माण श्रमिक संघ हिसार मंडल सम्बंधित एटक की बैठक रविवार को फतेहाबाद में हुई। बैठक में विशेष तौर पर श्रमिक संघ के राज्य अध्यक्ष विक्रम सिंह ढिंगसरा ने भाग लिया। बैठक में श्रमिकों की मांगों और समस्याओं को लेकर चर्चा की गई और श्रमिकों के साथ सरकार द्वारा किए जा रहे व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की गई।

फतेहाबाद। भवन निर्माण श्रमिक संघ की बैठक में भाग लेते पदाधिकारी।

बैठक को संबोधित करते हुए विक्रम सिंह ने कहा कि निर्माण मजदूर कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से रजिस्टर्ड मजदूरों के लाभ रोकने का निर्णय श्रम मंत्री द्वारा किया गया है जोकि सरासर गलत है और निर्माण मजदूरों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि 2018 से पहले यूनियनों के द्वारा मजदूरों की वेरिफिकेशन की जाती थी और उन्हें बोर्ड की ओर से सुविधाओं का लाभ मिलता था। उसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं था लेकिन जब से सरकार ने यूनियनों से वेरिफिकेशन की पॉवर छीनकर राज्य के अधिकारियों को दी है, उसके बाद से बोर्ड के फंड को लेकर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है। निर्माण मजदूरों को कोई लाभ नहीं दिए जा रहे हैं। सरकारी अधिकारी और सीएससी सैंटर संचालक मिलकर मजदूरों को लूट रहे हैं। विक्रम सिंह ने बताया कि भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय प्रदेश सरकार मजदूरों के हक छीनने का काम कर रहा है। इसको लेकर भवन निर्माण श्रमिक संघ द्वारा सोमवार से ब्लाक स्तर पर रोष प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे जाएंगे। गांवों में जाकर सभी मजदूरों को जागरूक कर हकों के लिए एकजुट किया जाएगा। बैठक में विनोद कुमार, वजीर चंद, धर्मवीर, सुनील कुमार, पवन कुमार, बलजीत सिंह, सुखबीर दड़ौली सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सिख स्वर्ग आश्रम में पौधरोपण

भूना। भारत विकास परिषद, शाखा भूना ने सिख स्वर्ग आश्रम में पौधारोपण कार्यक्रम किया। अभियान में छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। परिषद के पदाधिकारी और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य शामिल हुए। सभी ने पौधों की देखभाल का जिम्मा उठाया। संकल्प लिया कि पौधों को सिर्फ लगाएंगे नहीं, उनकी सुरक्षा और देखभाल भी करेंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण बचाना समय की जरूरत है। हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार काम करने का प्रण लिया। इस मौके पर क्षेत्रीय संगठन सचिव जियालाल बंसल, पर्यावरण गतिविधि संयोजक प्रो. अनिल कुमार, डॉ. केशव, विजय अग्रवाल, सतीश गोयल, प्रधान हरपाल सिंह खालसा, सुरेंद्र सिंह, दरबारा सिंह, गुरबचन सिंह, जतिंदर सिंह, बलजीत सिंह, कामरेड भूपिंदर सिंह, अवतार सिंह और लखविंदर सिंह मौजूद रहे।

विनोद बरड़ोदिया बने जिला महामंत्री

भूना। गांव टिब्बी के विनोद कुमार बरड़ोदिया को राष्ट्रीय अनुसूचित

जाति जनजाति विकास परिषद हरियाणा का फतेहाबाद जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। इस जिम्मेदारी के लिए उन्होंने राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व केंद्रीय मंत्री फगन सिंह कुलस्ते, पूर्व केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय संयोजक संरक्षक थावर सिंह गहलोत, केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय संरक्षक जुएल उरांव, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मांगरिया, प्रदेशाध्यक्ष चित्र कुमार सांभरवाल और जिलाध्यक्ष सोनू चालिया का आभार जताया। बरड़ोदिया ने कहा, उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। अनुसूचित जाति समाज पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा।

राजू सेहरा बने प्रधान यश असीजा सचिव

फतेहाबाद। फोटोग्राफर यूनियन की बैठक आज यहां संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से राजू सेहरा को फतेहाबाद फोटोग्राफर यूनियन का प्रधान चुना गया। इस मौके पर प्रधान राजू सेहरा ने एक कार्यकारिण गठित की। प्रधान राजू सेहरा ने चन्द्र पाकीजा व दलीप शर्मा को सरंक्षक चुनकर कार्यकारिणी में शामिल किया। कार्यकारिणी के अन्य सदस्य सतपाल व विनोद उपप्रधान, अशोक जुनेजा वरिष्ठ उपप्रधान, यश असीजा सचिव, महेन्द्र कंबोज सहसचिव, नरेन्द्र को कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष रवि सरबटा चुने गए। प्रेस प्रवक्ता की जिम्मेवारी अश्विनी को सौंपी गई। इस मौके पर सन्नी ग्रोवर, रोहित, विनोद, हिमांशु मेहता, चरण मेहता, मोहित, हैप्पी, रमेश आदि मौजूद रहे।

जिले के जेबीटी शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई

शिक्षा विभाग ने जिले के 2017 बैच के 550 से अधिक जेबीटी शिक्षकों को किया स्थाई

- उच्चतम न्यायालय व नए सिविल सर्विस रूल के अनुसार जो भी कर्मचारी प्रोबेशन सेवा पूर्ण करता है उसे 3 माह के अंदर स्थाई किया जाना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई का आभार जताते राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

शिक्षा विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के 2017 बैच के जेबीटी शिक्षकों को स्थाई करने का आदेश जारी करने से जिले के जेबीटी शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस पर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जेबीटी शिक्षकों को बधाई देते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों का आभार जताया है। बता दें कि इसको लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा गया था। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के राज्य चैयरमैन देवेन्द्र दहिया एवं संघ के जिला फतेहाबाद प्रधान विकास टुटेजा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय व नए सिविल सर्विस रूल के अनुसार जो भी कर्मचारी प्रोबेशन सेवा पूर्ण करता है, उसे 3 माह के अंदर स्थाई किया जाना अनिवार्य है। जिले में करीब 1470 नियमित जेबीटी शिक्षक कार्यरत हैं। विभाग द्वारा स्थाईकरण का पत्र जारी होने के बाद वर्ष 2000 में नियुक्त जेबीटी शिक्षक व 2011 में नियुक्त जेबीटी शिक्षक जिनके खिलाफ सीडबल्यूपी 3/2011 में उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय की अनुपालना में अंगूठे के निशान व हस्ताक्षर का मिलान सही न पाए जाने के कारण नियम सात के तहत चार्जशीट व आपराधिक मामले विचाराधीन हैं उन शिक्षकों को छोड़कर जिले शेष सभी नियमित जेबीटी शिक्षकों को कंफर्म हो गए हैं। ऐसे शिक्षकों की संख्या 550 से अधिक है।

प्राथमिक शिक्षक संघ लंबे समय से कर रहा मांग

बता दें कि जिले के प्राथमिक शिक्षक काफी लंबे समय से स्थाईकरण की मांग कर रहे थे। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा भी इस मामले को शिक्षा अधिकारियों के सामने जोर-शोर से उठाया गया था। शिक्षकों की इस लंबित मांग को पूरा करते हुए जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विभागीय नियमों अनुसार सैंकड़ों प्राथमिक शिक्षकों को स्थाईकरण का लाभ दिया गया है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई के कार्यालय से जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार 30 जून 2025 तक जो भी प्राथमिक शिक्षक अपना प्रोबेशन पीरियड पूरा कर चुके हैं, उनके स्थाईकरण के आदेश जारी किए गए हैं। जिन शिक्षकों के खिलाफ कोई कोर्ट केस या विभागीय जांच पेंडिंग है, केवल उन्हें छोडक़र जिले के सभी प्राथमिक शिक्षक अब कंफर्म हो चुके हैं। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा फतेहाबाद इसके लिए काफी समय से प्रयासरत था। संघ के जिला प्रधान विकास टुटेजा व उनकी टीम ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का प्राथमिक शिक्षकों की इस लंबित मांग को पूरा करने को आभार व्यक्त किया।

शर्तें पूरा करने पर लाभ

जिन जेबीटी शिक्षकों का प्रोबेशन पीरियड 30 जून 2025 तक पूरा हो चुका है और जो शिक्षक विभाग की निर्धारित शर्तों को पूरा कर रहे हैं, उन सभी शिक्षकों को कन्फर्म किया गया है। इसको लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने उनसे मुलाकात कर इस मांग को उठाया था। जिसके बाद इस बारे कार्रवाई की गई और अब जेबीटी शिक्षकों को कन्फर्म कर उन्हें इसका लाभ दिया जाएगा।

-संगीता बिश्नोई जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, फतेहाबाद

संघ ने मांग उठाई थी

2017 बैच के प्राथमिक शिक्षकों की तरफ से संघ को मांग की गई थी कि उनकी नियुक्ति के 8 साल बीतने के बाद भी अब तक उन्हें स्थाई नहीं किया गया है। संघ ने 2017 बैच के जेबीटी शिक्षकों की इस मांग जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखा, जिस पर संज्ञान लेते हुए अधिकारी ने स्थाईकरण सम्बन्धी पत्र जारी कर दिया है, जिसकी एक प्रति संघ के नाम भी भेजी गई है। संघ इस कदम के लिए शिक्षा अधिकारी का आभार व्यक्त करता है।

\- विकास टुटेजा, जिला प्रधान, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ

टोहाना। बॉक्सिंग ग्राउंड में खिलाड़ियों से मिलते सांसद सुभाष बराला।

मौजूदा सरकार खिलाड़ियों को दे रही है श्रेष्ठ खेल वातावरण

- राज्यसभा सांसद ने बॉक्सिंग ग्राउंड का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय टोहाना के बॉक्सिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं का जायजा किया। इस दौरान उन्होंने बॉक्सिंग का अभ्यास कर रहे युवा खिलाडियों से संवाद किया और उनकी आवश्यकताओं व सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना। सांसद बराला ने कहा कि खिलाडियों को श्रेष्ठ माहौल और सुविधाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को और निखार सकें और राज्य तथा देश का गौरव बढ़ा सकें। इस दौरान खिलाडियों ने प्रशिक्षण सुविधाओं को और बेहतर बनाने, खेल उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने तथा खेल संरचना को सशक्त करने संबंधी अपने सुझाव सांसद के समक्ष रखे। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने खिलाडियों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास है कि खिलाडियों को उत्कृष्ट सुविधाएं, समुचित संसाधन और प्रेरक वातावरण उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक सुविधाओं की दिशा में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। सांसद सुभाष बराला ने कहा हमारे क्षेत्र के युवाओं में अद्भुत खेल प्रतिभा है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और आधुनिक सुविधाएं देने की है। अचानक पहुंचे राज्यसभा सांसद सुभाष बराला को अपने बीच पाकर खिलाडियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। खिलाडियों ने संवाद के दौरान उनके द्वारा दिखाई गई रुचि और सक्रिय पहल के लिए आभार प्रकट किया।

बीपीएल परिवारों का सरकार ने बनाया मजाक: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने बीपीएल परिवारों का मजाक बनाकर रख दिया है, जबरन आय

बढ़ाकर खुद ही बीपीएल कार्ड काट दिए जाते है या इस कार्ड पर मिलने वाली सुविधाओं में या तो कटौती कर दी जाती है या उनके रेट बढ़ा दिए जाते है। बीपीएल कार्ड पर मिलने वाले सरसों के तेल के दाम को लेकर सरकार जनता को गुमराह कर रही है। अधिकारी सभी जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों को पत्र लिखकर निर्देश देते है कि इस कार्ड पर अब दो लीटर सरसों तेल के दाम सौ रुपये ही वसूली जाएंगे जबकि खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री कहते है कि अगर एक लीटर सरसों के तेल लोगे तो 30 रुपये दो लीटर के सौ रुपये ही लिये जाएंगे यानि 30 रुपये में एक लीटर तेल लेने वाले को एक लीटर तेल छोडऩा ही होगा। ऐसा कर सरकार गरीब परिवारों के साथ मजाक कर रही है। जिसे कांग्रेस कदापि सहन नहीं करेगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि जब चुनाव आते है तो प्रदेश में बीपीएल परिवारों की संख्या एक दम बढ़ जाती है तब हरियाणा की 70 प्रतिशत आबादी गरीब बन जाती है और चुनाव खत्म होने के बाद बीपीएल कार्ड धारकों पर चाबुक शुरू हो जाती है।

भूना में एबीवीपी नगर इकाई की घोषणा, सुनील कम्बोज अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भूना

भूना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नई गठित इकाई के सदस्य।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लिए भूना नगर इकाई की घोषणा की। असिस्टेंट प्रोफेसर सुनील कम्बोज को नगर अध्यक्ष बनाया गया। रितिक कुमार को नगर मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हिसार विभाग संयोजक बलविन्द्र ढकरवाल रहे। संचालन जिला संयोजक कृष्ण वर्मा ने किया। बलविन्द्र ढकरवाल ने कहा कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। यह दलगत राजनीति से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण और राष्ट्रवाद की बात करता है। उन्होंने छात्रों को संगठन की कार्य पद्धति की विस्तृत जानकारी दी। नगर अध्यक्ष सुनील कम्बोज ने छात्रों से कहा कि पढ़ाई के साथ समाज और देश के लिए भी काम करें। इससे देश सक्षम बनेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व होना चाहिए। साथ ही इसका संरक्षण भी जरूरी है। नवीन कुमार और राघव खुराना को नगर सह मंत्री बनाया गया। सुमित कुमार को राष्ट्रीय कला मंच संयोजक, अजय ख्यालिया को नगर कार्यालय मंत्री, रोहित बारड़ोदिया को एसएफएस संयोजक और मोहम्मद कैफ को एनएनएस संयोजक नियुक्त किया गया। इस मौके पर सौरव पिलानिया, अभी भुना, रोबिन धोलू, दीपांशु और अन्य छात्र मौजूद रहे।

अवैध पिस्तौल मामले में रतिया पुलिस ने असलहा सप्लायर को दबोचा

फतेहाबाद। अवैध हथियारों की तस्करी एवं उनके संचलन पर प्रभावी कार्रवाई के तहत रतिया पुलिस ने अवैध हथियारों की आपूर्ति के एक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान जसपाल सिंह उर्फ गांधी पुत्र मिठू सिंह निवासी बबनपुर के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना सिटी रतिया के प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत ने बताया कि एएसआई महेंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम टोहाना रोड टी-प्वाइंट, रतिया पर गश्त कर रही थी। इस दौरान एक युवक पुलिस को देखकर संदिग्ध रूप से मुडक़र वापस भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ में उसने अपना नाम गगनदीप उर्फ नाग बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर पिस्तौल बरामद हुई, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर थाना सिटी रतिया में आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

गांव रोहिड़ांवाली में ब्रह्माकुमारी बहनों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| ओढां

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा ओढ़ा द्वारा गांव रोहिडांवाली में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके तहत गांव में सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी मनोज बहन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में धरती को मां माना गया है, जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो सिर्फ जड़ नहीं, बल्कि हम अपनी संस्कृति, कर्तव्य और भविष्य को भी रोपते हैं। मां हमें जीवन देती है, पेड़ जीवन को समझाते हैं। यह धरती मां के प्रेम, आदर सम्मान, कर्तव्य और निष्ठा का अभियान है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृशक्ति को समर्पित एक अनूठा प्रयास है इस अभियान में महिलाओं के द्वारा विशेष पौधारोपण किया जाए। यह पूरे देश की महिलाओं को हरियाली भरे भविष्य की ओर अग्रसर करने के लिए सशक्त बनाएगी इसलिए सभी को इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कदम बढ़ाते हुए एक पेड़ मां के नाम लगाए, प्रकृति को हरा भरा बनाना है, एक पेड़ मां के नाम लगाना है। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी बहन चंचल, रामजी लाल गोदारा नम्बरदार, बलवंत सिंह सहित अनेक गांववासी उपस्थित रहे।

सिरसा। गांव रोहिडांवाली में पौधारोपण करते ब्रह्माकुमारी मनोज व अन्य। फोटो :हरिभूमि

पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सिरसा

हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में गांव खारियां में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने मुख्य रूप से शिरकत की। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ट्रस्ट के प्रधान भाल सिंह ने कहा कि गांव के 15 शिक्षकों द्वारा जनवरी 2018 में ट्रस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य कैरियर गाइडेंस व मोटिवेशनल सेमिनार करवाना, हर वर्ष 10वीं व 12वीं क्लास के मेरिट प्राप्त बच्चों और उस वर्ष सरकारी सेवा में चयनित युवाओं को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित करना मुख्य रूप से शामिल था। इसके अलावा ट्रस्ट द्वारा 2021 में निशुल्क सार्वजनिक पुस्तकालय की शुरुआत से ग्रामीण आंचल में रोजगार क्रांति का आगाज हुआ, जिसकी बदौलत अब तक करीब 100 युवा सरकारी व प्राइवेट क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। इस मौके पर प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि हम बच्चों के साथ भोजन करने के रूप में उनका आशीर्वाद लेने आए हैं। बच्चे परमात्मा का स्वरूप हैं और जब इस स्वरूप के दर्शन करते हैं तो आत्मिक तौर पर तृप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने माता पिता की सेवा करें और पूरी निष्ठा के साथ उनकी पूजा करें, यकीनन हर दिशा में कामयाबी हासिल होगी। इस प्रतिभा सम्मान समारोह में दसवीं कक्षा 14 स्टूडेंट्स व 12वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले 37 विद्यार्थियों और पिछले 1 साल के दौरान सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले 25 युवाओं को मुख्यातिथि प्रो. गणेशीलाल ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधान भाल सिंह, सरपंच माया देवी, पूर्व सरपंच राजकुमार नैन, सेवानिवृत प्रिंसिपल आत्माराम नैन, जयपाल नैन, दलीप सिंह, पवन गोयल, आत्माराम, हरपिंद्र शर्मा, योगेश बिजारनिया सहित गौशाला कमेटी व ब्लॉक समिति सदस्य इत्यादि मौजूद थे।

सिरसा। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए पूर्व राज्यपाल।

फतेहाबाद पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी को दबोचा, चोरीशुदा बाइक बरामद

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रेशम सिंह पुत्र जसवंत सिंह निवासी बीराबड़ी, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि यह मामला 22 मार्च को सुरेंद्र सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी भिरड़ाना की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने अपनी बाइक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में वकीलों के चैंबर के पास खड़ी की थी, लेकिन जब वह वापस लौटा, तो बाइक वहां से गायब थी। बाइक को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे काबू किया। पूछताछ में आरोपी ने बाइक चोरी की वारदात को स्वीकार किया। उसके कब्जे से चोरीशुदा बाइक भी बरामद कर ली गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

योग भारती योग क्लास सदस्यों ने किया नंदीशाला का भ्रमण

सिरसा। नेहरू पार्क के योग भारती योग क्लास के संचालक सुरेश तायल के नेतृत्व में योगा क्लास के सभी सदस्य रविवार को नंदीशाला केलनियां पहुंचे और नंदीशाला का भ्रमण किया। सभी ने नंदीशाला कमेटी के पदाधिकारियों की नंदीशाला में किए गए प्रबंधों के लिए सराहना की। उन्होंने आमजन से भी आह्वान किया कि वे नंदीशाला प्रबंधन का अधिक से अधिक सहयोग करें, ताकि शहर को बेसहारा पशुओं से मुक्ति दिलाई जा सके। कमेटी प्रबंधक पवन बंसल ने आए हुए सभी सदस्यों का तहदिल से आभार प्रकट किया। इस मौके पर सतीश शर्मा, निर्मल, कृष्ण कुमार, मोहनलाल लूथरा, पवन मेहता, रतन जिंदल एडवोकेट, सुशील कंदोई, सतीश मेहता, जुगल किशोर, सूरज भुड्डी, वेदप्रकाश मिड्ढा, सुनीता, अनुप्रिया टुटेजा, गुरप्रीत कौर, सोनू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नशा उन्मूलन अभियान निरंतर जारी रहेगा

जाखल में नशा मुक्ति टीम द्वारा शिव शक्ति मंदिर में गोष्ठी, ड्रग पीड़ितों को दी चिकित्सा सहायता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जाखल में ग्रामीणों को जागरूक करती नशामुक्ति टीम।

जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में पुलिस प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम द्वारा जाखल क्षेत्र में आज कई महत्वपूर्ण जागरूकता एवं उपचारात्मक गतिविधियां आयोजित की गई। टीम द्वारा शिव शक्ति मंदिर, जाखल में मंदिर कमेटी के सदस्यों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कांवड़ यात्रियों से संबंधित पुलिस दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया गया।

इसके अतिरिक्त, ड्रग फ्री घोषित किए जाने वाले वार्डों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया गया और सर्वेक्षण कार्य भी संपन्न हुआ। डीएवी स्कूल, जाखल में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उन्हें समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। उपचारात्मक प्रयासों के अंतर्गत, गांव रतनगढ़ के पहले से चिन्हित 17 नशा पीड़ितों को काउंसलिंग के पश्चात आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, भरपूर गांव के एक नवचिन्हित पीड़ित तथा चबला मोरी गांव के एक अन्य पीड़ित को नागरिक अस्पताल में उपचार मुहैया कराया गया।

नशा उन्मूलन अभियान के तहत इस प्रकार के प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि समाज को नशे की बुराइयों से पूर्णतः मुक्त किया जा सके।